राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

द्वितीय से पंचम तल, ब्लॉक–5, शिक्षा संकुल परिसर,
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर – 17

फोन नं: 0141–2709114 email : cmsmsa2018@gmail.com फैक्सः 0141–2701822

क्रमांक : रास्कूशिप / जय / सामु.गति / बाल सभा / 2019–20 / 10579 दिनांक 19/2/2020

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं
पदेन जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा अभियान
समस्त जिले।

अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा अभियान
समस्त जिले।

विषय– दिनांक 22.02.2020 को सामुदायिक बालसभा आयोजन बाबत्।

राजकीय विद्यालयों में नामांकन वृद्धि तथा ठहराव गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए विद्यालयी गतिविधियों में जनसमुदाय की भागीदारी को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सामुदायिक बाल सभाओं का आयोजन प्रतिमाह किया जा रहा है। दिनांक 22 फरवरी 2020 को सामुदायिक बालसभा के प्रभावी आयोजन हेतु संलग्न दिशा–निर्देशानुसार समस्त आवश्यक पूर्व तैयारियाँ करना सुनिश्चित करावें।

इस हेतु समस्त मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को क्रमशः जिला समन्वयक एवं ब्लॉक समन्वयक मनोनीत किया जाता है। सम्बन्धित जिला समन्वयक विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय एवं पंचायतस्तरीय अधिकारियों / कर्मचारियों की भागीदारी हेतु पूर्वानुसार श्रीमान जिला कलेक्टर के नेतृत्व में उनके निर्देशानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

प्रत्येक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अपने संबंधित ब्लॉक से श्रेष्ठ तीन बालसभाओं के वीडियो मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी को प्रेषित करेंगे तथा मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अपने जिले के पॉच श्रेष्ठ वीडियो परिषद् कार्यालय को प्रेषित करें। बालसभा आयोजन पश्चात् दिनांक 24.02.2020 तक संलग्न निरीक्षण प्रतिवेदन भरकर एवं शालादर्पण पोर्टल पर इसकी प्रविष्टि अनिवार्य रूप से करवाना सुनिश्चित करावें।

संलग्न–उपरोक्तानुसार

(वीरेन्द्र सिंह बांकावत)
आयुक्त
स्कूल शिक्षा एवं राज. स्कूल शिक्षा परिषद,
जयपुर

क्रमांक : रास्कूशिप / जय / सामु.गति / बाल सभा / 2019–20 / 10579 दिनांक : 19/2/2020

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :

1. निजी सचिव, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा एवं भाषा विभाग राजस्थान सरकार।
2. निजी सचिव, आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
3. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
4. निजी सचिव, निदेशक माध्यमिक / प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय, बीकानेर।
5. निजी सहायक, अति0 राज्य परियोजना निदेशक-II, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
6. उपायुक्त (शाला दर्पण), राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
7. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त ब्लॉक।
8. रक्षित पत्रावली।

19/02

(नसीम खान)
उपायुक्त (सामु0 गतिशीलता)

श्रेणी	रचनात्मक कौशल
गतिविधि का प्रकार	पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता
मिनट्स की संख्या	30 मिनट
सहभागी	कक्षा 2 से 5
कैसे संचालित करें	खाली कालांश के दौरान विद्यार्थियों को दिए गए टॉपिक पर पोस्टर तैयार करने के लिए कुछ समय दिया जा सकता है।
	सबसे अच्छी 5 प्रविष्टियों को सामुदायिक बालसभा के दौरान पुरस्कृत किया जाएगा।
थीम	सफाई
सहायक सामग्री	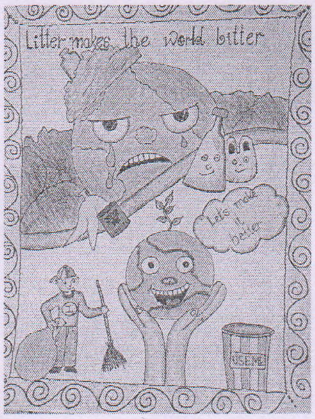

श्रेणी	सामाजिक संवाद
गतिविधि का प्रकार	लैंगिक सवेदनीकरण
मिनट्स की संख्या	5 मिनट प्रति वक्ता
सहभागी	8-10 वक्ता
	कक्षा 3 से 5
कैसे संचालित करें	कक्षा में चर्चा के दौरान विद्यार्थियों को सामाजिक बिन्दुओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी दे दी जाय।
	विद्यार्थियों को बालसभा के दौरान उन बिन्दुओं पर बोलने के लिए चुने ।
	ऐसे बिंदुओं पर चर्चा शिक्षा का अनिवार्य अंग है, और विद्यार्थियों को हर किसी को प्रभावित करने वाले वास्तविक मुद्दों के बारे में जानने-समझने चाहिए ।
थीम	बाल विवाह के लिए मना कर दें
सहायक सामग्रियां	पूरी दुनिया में विवाह को हर किसी की जिंदगी का सुखद समय माना जाता है और यह उत्सव का समय होता है। लेकिन दुख की बात है कि बाल विवाह के मामले में ऐसा उत्सव मनाने की कोई बात नहीं है। अनेक छोटे लड़के-लड़कियों का विवाह 18 वर्ष का होने के पहले ही कर दिया जाता है। यह दुखद कृत्य अनेक कारणों से होता है। पूरी दुनिया में सामाजिक और भौतिक रूप से लाभान्वित होने तथा वित्तीय बोझ कम करने के लिए अनेक माता-पिता और परिवार कम उम्र के बेटे-बेटियों के विवाह को बढ़ावा देते हैं। विवाह के बाद लड़की पर नए परिवार में जाने और वह सब करने के लिए दबाव डाला जाता है जो वह करना नहीं चाहती है। उसे उसके पति द्वारा यौन गतिविधियों के लिए बाध्य किया जाता है और जल्द ही उसे बच्चे हो जाते हैं। मानसिक तैयारी और शारीरिक परिपक्वता नहीं होने से उसे भविष्य में अनेक जटिलताओं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

श्रेणी	आलोचनात्मक चिंतन
गतिविधि का प्रकार	वाद-विवाद
मिनट्स की संख्या	20 मिनट
सहभागी	कक्षा 5-8
	2 विद्यार्थी पक्ष में और 2 विपक्ष में
कैसे संचालित करें	वाद-विवाद के दिन विद्यार्थियों के सामने प्रस्ताव या टॉपिक दुबारा प्रस्तुत करें जिसे वे उससे और संभवतः उसके किसी व्यवहारिक उपयोग से जुड़ सकें।
	किसी भी डिबेट के दो पक्ष होते हैं। एक पक्ष उसके पक्ष में तर्क देगा और दूसरा उसके विरोध में।
	आम तौर पर किसी डिबेट में विजेता वह होता है जो सबसे मजबूती से अपना पक्ष प्रस्तुत करता है। हालांकि कुल मिलाकर बोलने का मकसद वाद-विवाद के विशेष परिणाम से अधिक महत्वपूर्ण होता है। अतः विजेता तय करने के लिए श्रोताओं का मतदान कराया जा सकता है।
थीम	मोबाइल फोनों का उपयोग
	लाभ : मोबाइल फोनों ने हमारी जिंदगी आसान बना दी है और ढेर सारी सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं। अब सारा कुछ ऑनलाइन उपलब्ध है। हमारे मोबाइल फोन हमारे ई-वैलेट, ई-बुक, ई-पेमेंट, ई-फाइल, ई-फोल्डर आदि बन गए हैं। हमारे मोबाइल फोन हमारे आधार कार्ड, बैंक खाता, ऋण आदि से जुड़े हैं। हम मोबाइल फोनों का उपयोग करके खरीदारी और दूसरे लेनदेन कर लेते हैं। आधुनिक युग में मोबाइल के बिना जिंदगी लगभग असंभव है। यह न तो नशा है और न विचलन। इसके बजाय यह आज के दौर की बुनियादी जरूरत है। नुकसान : मोबाइल के अत्यधिक उपयोग ने स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्याएं खड़ी कर दी हैं। मोबाइल फोनों और नेटवर्क के टावरों से माइक्रोवेव विकिरण निकलता है। यह मोबाइल स्क्रीन घंटों देखने वालों की आंखों की रोशनी को प्रभावित कर रहा है और स्वास्थ्य संबंधी कई अन्य समस्याएं पैदा कर रहा है। इसके अलावा, मोबाइल फोन ध्यान एकाग्र करने में कठिनाई, थकान, सिरदर्द और नींद में खलल आदि के लिए भी जिम्मेवार हैं जो स्वास्थ्य संबंधी अन्य जटिलताएं भी पैदा कर सकते हैं। मोबाइल फोनों के देर रात तक उपयोग के कारण युवा वर्ग नींद में कटौती कर देता है जिसके कारण भी स्वास्थ्य संबंधी बुरे परिणाम पैदा होते हैं। इसने हमे आक्रामक और चिड़चिड़ा बना दिया है।
सहायक सामग्रियां	https://brainly.in/question/1509193

श्रेणी	अभिव्यक्ति कौशल
गतिविधि का प्रकार	कविता पाठ
मिनट्स की संख्या	4 मिनट प्रति वक्ता
सहभागी	कक्षा 1 से 8
	2 विद्यार्थी प्रति हाउस (1 अंग्रेजी में और 1 हिंदी में)
कैसे संचालित करें	थीम की घोषणा प्रतियोगिता के एक सप्ताह पहले की जाएगी।
	विद्यार्थियों को प्रारूप पढ़कर सुनाने के बजाय याद करने के लिए प्रोत्साहित करें।
	इन बातों के आधार पर विजेता चुने जाने चाहिए : अभिव्यक्ति, वाक्पटुता और याद करने संबंधी कौशल।
थीम	देशभक्ति कविता/ गीत
सहायक सामग्रियां	**आज़ादी का गीत** हम ऐसे आज़ाद हमारा झंडा है बादल। चाँदी सोने हीरे मोती से सजती गुड़ियाँ। इनसे आतंकित करने की बीत गई घड़ियाँ इनसे सज धज बैठा करते जो हैं कठपुतले हमने तोड़ अभी फेंकी हैं बेड़ी हथकड़ियाँ परंपरा गत पुरखों की हमने जाग्रत की फिर से उठा शीश पर रक्खा हमने हिम किरीट उज्जवल हम ऐसे आज़ाद हमारा झंडा है बादल। चाँदी सोने हीरे मोती से सजवा छाते जो अपने सिर धरवाते थे वे अब शरमाते फूलकली बरसाने वाली टूट गई दुनिया वज़्रों के वाहन अंबर में निर्भय घहराते इंद्रायुध भी एक बार जो हिम्मत से ओटे छत्र हमारा निर्मित करते साठ कोटि करतल हम ऐसे आज़ाद हमारा झंडा है बादल। **– हरिवंश राय बच्चन**

श्रेणी	शारीरिक शिक्षा
गतिविधि का प्रकार	शारीरिक गतिविधि
मिनट्स की संख्या	30 मिनट
सहभागी	कक्षा 6 से 12 तक
कैसे संचालित करें	विद्यार्थियों के आत्मरक्षा के प्रशिक्षण के लिए सप्ताह में एक बार स्कूल एसेंबली के पहले समय दिया जा सकता है।
	उन्हें मजबूत बनाने के लिहाज से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण अनिवार्य है।
	आत्मरक्षा का प्रशिक्षण
सहायक सामग्री	https://youtu.be/7DHfAYH_w08

श्रेणी	सामुदायिक संवाद
गतिविधि का प्रकार	सामुदायिक अभियान
मिनट्स की संख्या	45 मिनट
सहभागी	कक्षा 3 से 8
कैसे संचालित करें	कुछ विद्यार्थियों को डस्टबिन, साबुन, बाल्टी, झाड़ू और दस्ताने जैसी सफाई सामग्रियां खुद से लाने का जिम्मा दिया जाना चाहिए।
	विद्यालय के आसपास सफाई और स्वास्थ्यप्रद वातावरण को बढ़ावा दें।
	विद्यार्थियों में समाज के हित के प्रति समर्पित करने के लिए जागरूकता बढ़ाएं।
थीम	सफाई अभियान
सहायक सामग्री	

Quiz on Kasturbha Gandhi:

कस्तूरबा गांधी

जन्म 11 अप्रैल 1870

मृत्यु 22 फरवरी 1944

प्रश्न=1. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में करवाई जाने वाली गतिविधियो के नाम बताओं ?

प्रश्न=2. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में किस कक्षा की बालिकाएं निशुल्क अध्ययन करती है ?

प्रश्न=3. राज्य में कुल कितने KGBV संचालित है ?

प्रश्न=4. केजीबीवी में कौन-कौन से निशुल्क प्रावधान है ?

प्रश्न=5. केजीबीवी में प्रदत सुविधाओं के नाम बताओं ?

प्रश्न=6. कस्तूरबा गांधी एसटीडीआर योजना कब प्रारंभ हुई ?

प्रश्न=7. कस्तूरबा गांधी एसटीडीआर योजना में छात्रा को 12वीं में कितने प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर इस योजना का पात्रता होगी ?

प्रश्न=8. देशभर में केजीबीवी के कितने मॉडल संचालित है

प्रश्न=9. राजस्थान में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के कितने प्रकार के मॉडल संचालित हैं

प्रश्न=10. कक्षा 9 से 12 को केजीबीवी में कब शामिल किया गया

कस्तूरबा मोहनदास गांधी यानी कि महात्मा गांधी की पत्नी कस्तूरबा गांधी का जन्म 11 अप्रैल, 1869 को गुजरात के पोरबंदर जिले में हुआ था। कस्तूरबा गांधी के पिता गोकुलदस कपाड़िया थे। कस्तूरबा गांधी को अधिकांश लोगों द्वारा केवल महात्मा गांधी की पत्नी के रूप में जानते हैं।

कस्तूरबा के जीवन की ऐसी उपलब्धियां भी हैं जिनसे कि वे खुद की एक अलग पहचान रखने का माद्दा रखती हैं, लेकिन गांधी जी की शख्सियत का आकार इतना बड़ा होने के कारण, वे सभी उपलब्धियां अक्सर ढक जाती हैं।

जिस तरह महात्मा गांधी को पूरे देश में बापू के नाम से जाना जाता था, उसी तरह गांधी की पत्नी होने के नाते, और कॉंग्रेस में एक मजबूत महिला प्रतिनिधि होने के नाते, पूरा देश कस्तूरबा को "बा" पुकारता था। बा का अर्थ होता है गुजराती में मां।

प्रारंभिक जीवन-

कस्तूरबा गांधी का जन्म एक व्यापारी परिवार में हुआ था। उनके पिता गोकुलदास कपाड़िया एक व्यापारी थे और महात्मा गांधी के पिता के बेहद अच्छे दोस्त थे। कर्मचंद गांधी से दोस्ती के कारण ही उन्होंने अपनी बेटी कस्तूरबा का विवाह मोहनदास गांधी के साथ करने का निर्णय लिया था।

महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी का विवाह 13 साल की उम्र में ही हो गया था। उन्नीसवीं शताब्दी के दौर में बाल विवाह एक सामान्य बात थी। शादी के शुरुआती सालों में दोस्तों की तरह साथ खेलने वाले, मोहनदास और कस्तूरबा ने ज़िन्दगी के साठ सालों तक एक दूसरे का बखूबी साथ दिया।

शादी के बाद का जीवन-

महात्मा गांधी और कस्तूरबा गांधी की शादी साल 1982 में हुई थी। शादी के वक़्त दोनों की उम्र काफी कम थी और वे दोनों ही काफी कम पढ़े लिखे थे। शादी के वक़्त कस्तूरबा गांधी अनपढ़ थीं और उन्हे ठीक से अक्षरों का ज्ञान भी नहीं था।

कस्तूरबा गांधी को साक्षर बनाने का जिम्मा खुद महात्मा गांधी ने लिया और उन्होने कस्तूरबा गांधी को आधारभूत शिक्षा, जैसे लिखना और पढ़ना सिखाया। हालांकि कस्तूरबा घरेलू जिम्मेदारियों के कारण ज्यादा नहीं पढ़ पाई।

कस्तूरबा और महात्मा गांधी जी के पहले बेटे, हरिलाल का जन्म 1888 में हुआ था। यह वही वर्ष था जब महात्मा गांधी लंदन में वकालत की पढ़ाई करने गए थे। वकालत करके लौटने के बाद गांधी जी को 1892 में पुत्रप्राप्ति हुई, जिनका नाम मणिलाल रखा गया। 1897 में गांधी दम्पति के तीसरे बेटे रामदास का जन्म हुआ।

तीन बेटों के जन्म के बाद कस्तूरबा एक माँ के पात्र में थीं और घरेलू कार्यकाजों में पूरी तरह से रम गईं थीं। वहीं दूसरी ओर गांधी जी के दौर की यह शुरुआत ही थी। 1888 में गांधी जी के पहले बेटे के जन्म के कारण कस्तूरबा उनके साथ लंदन तो नहीं जा पाई थीं।

पर जब 1897 में महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका जाकर वकालत का अभ्यास करने का निर्णय लिया, तब कस्तूरबा ने उनका परस्पर साथ दिया। गौरतलब है कि गांधी दम्पति को उनके चौथे पुत्र की प्राप्ति 1900 में हुई, जिनका नाम देवदास रखा गया।

राजनीतिक दौर और आंदोलन में भूमिका-

कस्तूरबा गांधी भले ही घरेलू संसार में अत्यधिक समय तक रहीं हों, लेकिन वे गांधी जी के विचारों से काफी ज्यादा प्रभावित थीं और उनका कंधे से कंधा मिलाकर साथ देतीं थीं। गौरतलब है कि गांधी जी जहां अपनी राजनीतिक व्यस्तता के कारण अपने पुत्रों को समय नहीं दे पा रहे थे, वहीं कस्तूरबा ने डोर के दोनों ही सिरों को बड़ी बारीकी से पकड़ा हुआ था। कस्तूरबा गांधी एक अच्छी कार्यकर्ता होने के साथ साथ एक अच्छी माँ बनने के लिए भी एड़ी चोटी लगाकर प्रयत्न कर रहीं थीं।

दक्षिण अफ्रीका से ही महात्मा गांधी ने अपने आंदोलन का आधार बनाया था, और यहाँ पर कस्तूरबा ने उनका बखूबी साथ दिया था। कस्तूरबा गांधी अन्य सभी कार्यकर्ताओं की तरह ही अनशन और भूख हड़ताल करके सरकार की नाक में दम कर देतीं थीं।

गौरतलब है कि सन 1913 में पहली बार उन्हे भारतीय मजदूरों की दक्षिण अफ्रीका में स्थिति के बारे में सवाल खड़े करने पर जेल में डाल दिया गया था। तीन महीने की मिली इस सजा के दौरान इस बात का बारीकी से ध्यान रखा गया था कि यह सजा कड़ी हो और कस्तूरबा दुबारा आवाज उठाने की हिम्मत न करें, लेकिन कस्तूरबा को डराने की कोशिश पूर्णतः नाकाम रही।

महात्मा गाँधी की भारत वापसी

1915 में महात्मा गांधी वापस भारत आ गए। गांधी जी ने यहां पर आते ही लोगों को जागरूक करने के प्रयत्न शुरू कर दिए। कस्तूरबा ने इस दौर में भी गांधी जी का पूरा साथ दिया। कस्तूरबा गांधी ने लोगों को जागरूक करने के लिए भरसक प्रयत्न किए और इस दौरान वो शिक्षा, समाज और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों से भी जुड़ी रहीं।

महिलाओं के लिए रोल मॉडल

गांधी जी साल दर साल राजनीति और देश के लिए अत्यधिक समर्पित हो गए। इस दौरान कस्तूरबा एक स्तंभ की तरह गांधी जी के साथ खड़ी रहीं और उन्हे समर्थित किया। उस दौर मे कस्तूरबा गांधी के सिवाय और उंगलियों पर गिनी जा सकें केवल इतनी ही महिलाएं राजनीति और देशसेवा में संलग्न थीं। उस दौर की सोच इस तरह थी कि यदि महिलाएं ये सब कुछ करेंगी तो घरेलू कामों को सही ढंग से नहीं कर पाएंगी, या करना छोड़ देंगी।

कहीं न कहीं देश की महिलाओं के मन भी यह सारी चीजें घर कर गईं थीं। महात्मा गांधी देश की महिलाओं को आजादी की लड़ाई में जोड़ने का महत्व जानते थे। उन्होने कस्तूरबा को एक रोल मॉडल के तौर पर हमेश पेश किया जिससे कि यह समझा जा सके कि घर चलाना और देश के लिए लड़ना, साथ में किया जा सकता है। कस्तूरबा गांधी ने बहुत सी महिलाओं को प्रेरित किया और आंदोलन को नया आयाम प्रदान किया।

जब "बा" चलीं गईं

महात्मा गांधी के साथ तरह तरह के आंदोलन में जुड़े रहने के दौरान कई बार कस्तूरबा गांधी को जेल जाना पड़ा। शादी के साठ सालों तक महात्मा गांधी जी का साथ देने के बाद "बा" थक चुकीं थीं और काफी ज्यादा बीमार हो चुकीं थीं। सन 1942 से ही उन्हे बीमारी ने जकड़ लिया था और 1944 की जनवरी में दो बार दिल का दौरा सहने के बाद, फरवरी में बा ने आखिरी सांसे लीं।

आज़ादी के तीन साल पहले, आजादी का सपना देखने वाली आँखे बंद हो चुकीं थीं। लेकिन अपने पीछे उन्होने ऐसी कई सारी कहानियां छोड़ रखी हैं, जिन्हे जानकर काफी ज्यादा प्रभावित हुआ जा सकता है।